“साइबर और सूचना सुरक्षा पाठ्यक्रम क्रमांक संख्या -14” (ऑनलाइन)
(23/09/21 से 01/10/2021)

देश में कोविड-19 महामारी के बीच ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के संचालन की अभिनव पहल की निरंतरता में, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, सीआरपीएफ ने साइबर और सूचना सुरक्षा पाठ्यक्रम क्रमांक संख्या -14 (ऑनलाइन) पाठ्यक्रम का आयोजन किया । इस कोर्स में के.रि.पु.बल के सहायक कमांडेंट से कमांडेंट रैंक के 47 अधिकारियों ने भाग लिया।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को साइबर सुरक्षा खतरों और साइबर सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना था।

श्री के. थॉमस जॉब, उपमहानिरीक्षक (प्रशिक्षण), आ.सु.अ.,केरिपुबल, माउंट आबू ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतिभागियों को अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने आंतरिक सुरक्षा के संदर्भ में साइबर अपराध से कैसे बचाव करें।

श्री डी. एस. राठौर उपमहानिरीक्षक, आ.सु.अ., केरिपुबल आबू पर्वत, ने पाठ्यक्रम के समापन की शोभा बढ़ाई। प्रतिभागियों को अपने संबोधन में, उन्होंने कोर्स पूरा करने के लिए उन्हें बधाई दी एवं कार्यालय और दैनिक कामकाज में साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीके और साधन सीखने के लिए भी जानकारी दी।

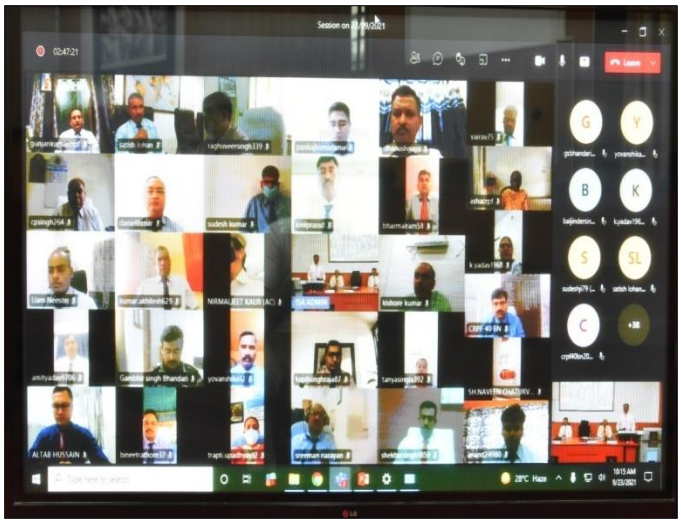

श्री के.थॉमस जॉब, उपमहानिरीक्षक (प्रशिक्षण), आ.सु.अ.,केरिपुबल, माउंट आबू के द्वारा ऑनलाइन उद्घाटन किया गया ।

निदेशक आं.सु.अ. के नेतृत्व में संकाय अधिकारियों के अलावा विभिन्न प्रख्यात वक्ताओं जैसे, श्री संजय मिश्रा, निदेशक, टीएफडब्ल्यूएफ, नई दिल्ली, डॉ. विक्रांत सिंह तोमर, निदेशक, यूएमएस इंडिया, श्री दीपक कुमार, डिजिटल फोरेंसिक और साइबर इंटेलिजेंस, श्री रक्षित टंडन, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, श्री रोहित जैन, अधिवक्ता, श्री विमल सिंह, उप. कमान्डेंट सीटीसी (टी एंड आईटी), रांची, श्री विवेक कुमार,उप कमा., आईटी, महानिदेशालय, केरिपुबल, श्री आशीष रावत, सहा कमा., आईटी, (महानिदेशालय), केरिपुबल, श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, प्रो. त्रिवेणी सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक साइबर अपराध, उतरप्रदेश, डॉ. अनंत प्रभु जी., साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, श्री. इंद्रा धों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने व्याख्यान दिए और प्रतिभागियों के ज्ञान को समृद्ध किया। प्रतिभागियों को मेल के माध्यम से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

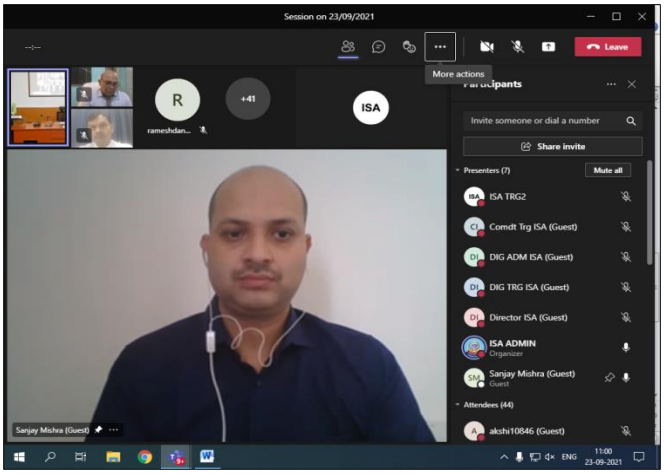

श्री संजय मिश्रा, निदेशक, टीएफडब्ल्यूएफ, नई दिल्ली, एक ऑनलाइन सत्र में, वायरलेस नेटवर्क" पर व्याख्यान देते हुए।

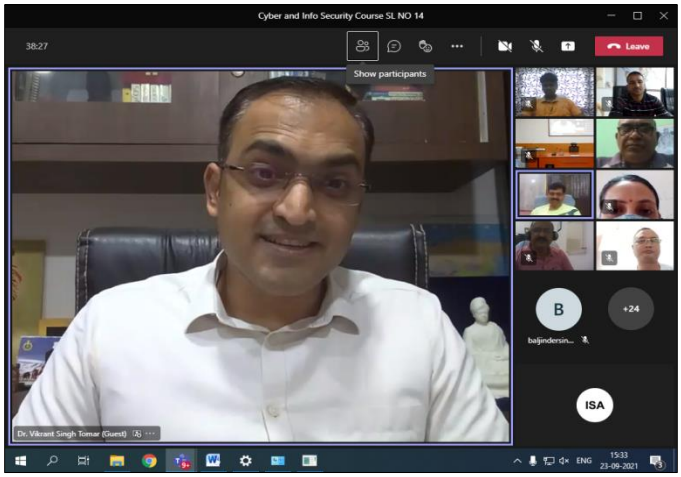

डॉ. विक्रांत सिंह तोमर, निदेशक, यूएमएस इंडिया, एक ऑनलाइन सत्र में, "अधीनस्थ प्रबंधन " पर व्याख्यान देते हुए।

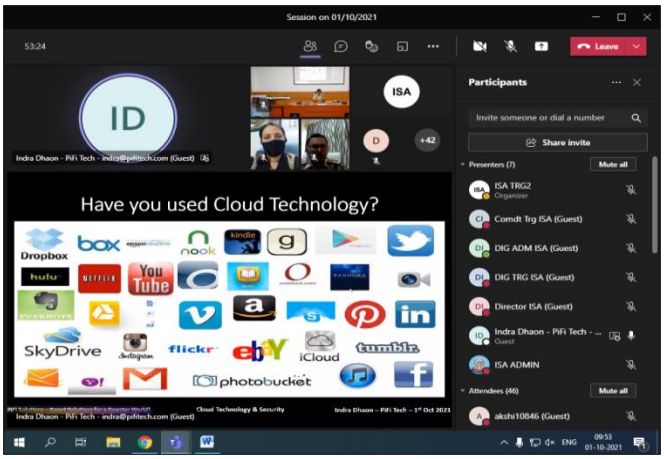

श्री. इंद्रा धों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, एक ऑनलाइन सत्र में, कृत्रिम होशियारी " पर व्याख्यान देते हुए।

श्री रक्षित टंडन, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, एक ऑनलाइन सत्र में, "साइबर सुरक्षा और केस स्टडीज में सोशल इंजीनियरिंग" पर व्याख्यान देते हुए।

श्री रोहित जैन, अधिवक्ता, इंदौर, एक ऑनलाइन सत्र में, "आईटी अधिनियम से संबंधित केस स्टडी." पर व्याख्यान देते हुए ।

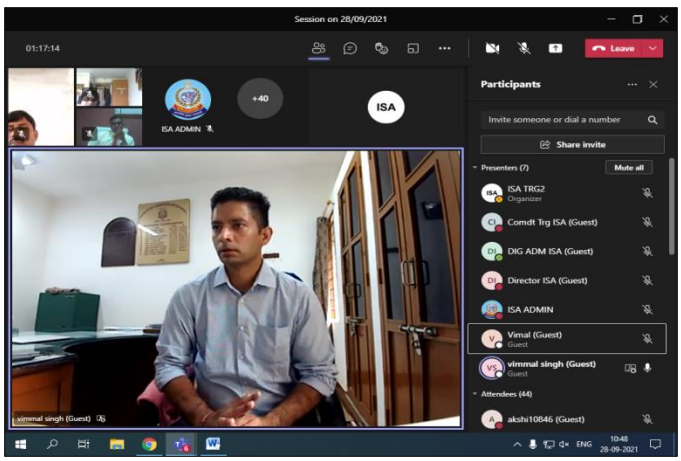

श्री विमल सिंह, उप. कमान्डेंट सीटीसी (टी एंड आईटी), रांची एक ऑनलाइन सत्र में, "हैकिंग के प्रकार और फ़ायरवॉल का महत्व। " पर व्याख्यान देते हुए ।

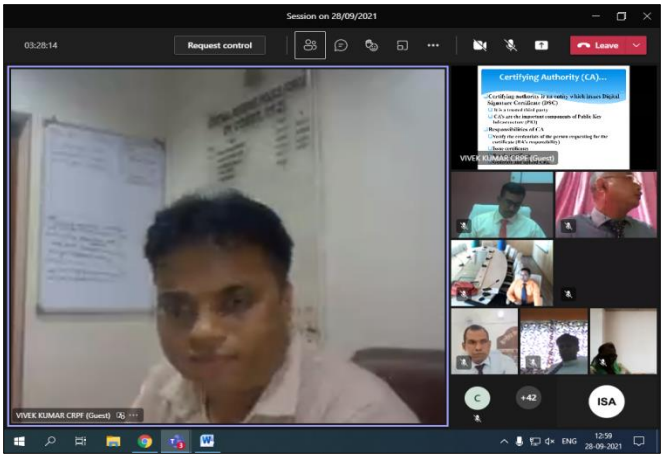

विवेक कुमार,उप कमा., आईटी, महानिदेशालय, केरिपुबल,एक ऑनलाइन सत्र में, "वीपीएन सुरक्षा और वीपीएन में उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकियां" पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री आशीष रावत, सहा कमा., आईटी, आ.सु.अ.,एक ऑनलाइन सत्र में, "डिजिटल सिग्नेचर-पीकेआई, डिजिटल सर्टिफिकेट, इलेक्ट्रॉनिक सिग्नेचर और सर्टिफिकेट अथॉरिटी" पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री अमित देसवाल,सहा.कमा.(प्रशिक्षण),आंसुअ, एक आंतरिक सत्र में, "इंटरनेट और डीएनएस में इंटरनेट-एड्रेसिंग" पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, एक ऑनलाइन सत्र में, "वित्तीय धोखाधड़ी और पहचान की चोरी से संबंधित केस स्टडी" पर व्याख्यान देते हुए ।

प्रो. त्रिवेणी सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, साइबर अपराध, एक ऑनलाइन सत्र में, "सुरक्षा के लिए OS को कॉन्फ़िगर करना"" पर व्याख्यान देते हुए ।

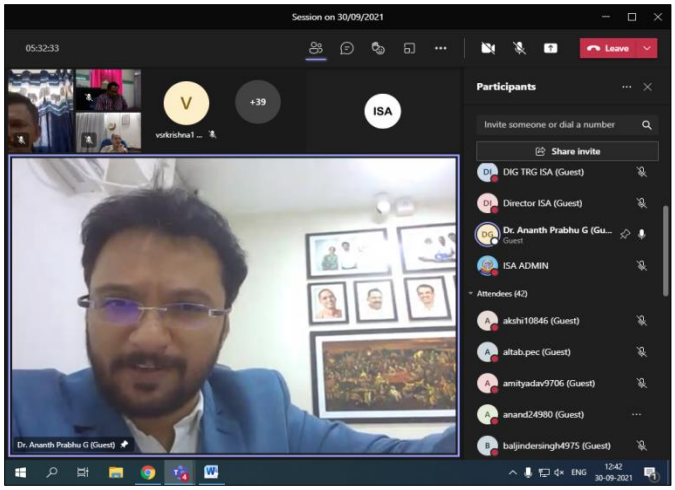

डॉ. अनंत प्रभु जी., साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, एक ऑनलाइन सत्र में, "आईटी सिस्टम के सुरक्षा प्रबंधन का अवलोकन " पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री डी. एस. राठौर, उपमहानिरीक्षक (प्रशासन) आ.सु.अ., केरिपुबल, आबू पर्वत द्वारा समापन समारोह।